बिहार चुनाव में जनता ने विकास पर लगाई मुहर

35 साल में आरजेडी की सबसे शर्मनाक हार

2010 के विधानसभा चुनाव में कम 22 सीटें जीती थी

पटना, 14 नवबंर. बिहार विधानसभ चुनाव की जब शुरुआत हो रही थी तब किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि आरजेडी अपने 25 साल के सबसे बुरी हार की तरफ जाने वाली है.

इस बार जहां एनडीए एक तरफ अपनी ऐतिहासिक जीत की तरफ कदम बढ़ा रहा है वहीं आरजेडी अपनी 35 साल की सबसे शर्मनाक हार की तरफ बढ़ रही है. स्थिति ऐसी नजर आ रही हैं कि तेजस्वी यादव से नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी भी इस बार छिन जाने के कयास लगाए जाने लगे हैं. आखिर आरजेडी की इतनी बुरी हार क्यों हुई, इसका एक सबसे बड़ा कारण मुस्लिमों की नाराजगी नजर आ रही है.

लालू यादव की पार्टी आरजेडी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पिछले 35 साल की सबसे शर्मनाक हार की तरफ बढ़ रही है. कहां तो महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे कहां उनके सामने इस बार नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी गंवाने का खतरा पैदा हो गया है. आरजेडी ने साल 2010 के विधानसभा चुनाव में सबसे कम 22 सीटें जीती थी. अब जो रुझान दिखाए जा रहे हैं उसमें आरजेडी 24 सीटों के आसपास बढ़त बनाए हुए है. जिनमें से कई सीटों पर बढ़त 1000 से भी कम वोटों का है. ऐसे में पार्टी के सामने बिहार में नेता प्रतपक्ष की कुर्सी गंवाने का खतरा पैदा हो गया है.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का सबसे बड़ा राजनीतिक ड्रामेटिक ट्विस्ट आरजेडी के लिए सामने आया है. जिस पार्टी ने दशकों तक बिहार की राजनीति को अपने इर्द-गिर्द घुमाया, आज वहीं, पार्टी अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे खराब प्रदर्शन की तरफ जा रही है. तेजस्वी यादव जहां मुख्यमंत्री पद पाने का दावा कर रहे थे, वहीं अब स्थिति ऐसी बन गई है कि नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी बचाना भी चुनौती बन गया है. रुझानों के मुताबिक आरजेडी करीब 25 सीटों के आसपास ही सिमटती हुई दिख रही है जो 2010 के बाद सबसे कम प्रदर्शन है. कई सीटों पर उनकी बढ़त 1,000 से भी कम वोटों की है, जो पार्टी के लिए खतरे की घंटी है.

मुस्लिम वोटों का बड़ा फैक्टर

1. इस करारी हार के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर बताया जा रहा है मुस्लिम वोटों का बड़े पैमाने पर आरजेडी से दूर होना. बिहार की राजनीति में त्रिमुखी मुकाबले ने इस नाराजगी को और बढ़ाया, जिससे मुस्लिम वोट कई सीटों पर बंटे और इसका सबसे अधिक नुकसान आरजेडी को हुआ. दूसरी तरफ एनडीए ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहा है, जिसने आरजेडी के लिए स्थिति और ज्यादा मुश्किल कर दी.
2. सुशासन, विकास एजेंडा, जातीय समीकरणों की सटीक समझ और चुनावी प्रबंधन ने एनडीए को फायदा पहुँचाया. दूसरी ओर महागठबंधन की रणनीति कमजोर साबित हुई. अमित शाह का चाडक्य फैक्टर काफी प्रभावशाली रहा है. अमित शाह ने ताबड़तोड़ रेलिया करके बिहार में एक अलग चाडक्य निति को सामने रखा.

3. तेजस्वी यादव इस हार के बाद पार्टी के भीतर और बाहर दोनों तरफ से सवालों का सामना करेंगे. यह पहली बार है जब उनके नेतृत्व में पार्टी नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी तक खो सकती दी है, जो आरजेडी जैसे बड़े दल के लिए बहुत बड़ा झटका साबति हुआ है. बिहार की राजनीति में यह चुनाव कई पुराने मिथकों को तोड़ता हुआ और नई राजनीतिक जमीन तैयार करता हुआ दिख हार का इतिहास लिख रहा है.

बिहार में कांग्रेस 8 नम्बर की पार्टी बन गई ?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए ने ऐसी प्रचंड जीत हासिल की है कि पूरे राजनीतिक परिदृश्य में भूचाल सा आ गया है. रुझानों में एनडीए 2002 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जो राज्य में किसी भी गठबंधन के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा माना जा रहा है. इस चुनावी लहर ने न सिर्फ महागठबंधन को हिला दिया, बल्कि कांग्रेस के लिए भी यह नतीजे बेहद शर्मनाक साबित हुए. कांग्रेस बिहार में मात्र एक सीट-किशनगंज पर संघर्ष कर रही है और यह उसे राज्य की 8वीं सबसे बड़ी पार्टी बना देता है.

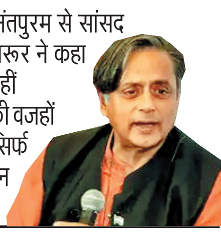

चुनावी नतीजों के बीच कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर का बयान बेहद चौंकाने वाला रहा. थरूर ने कहा कि उन्हें बिहार में प्रचार के लिए आमंत्रित ही नहीं किया गया था. उनके अनुसार, पार्टी को इस हार की वजहों का गहन विश्लेषण करना चाहिए, क्योंकि यह न सिर्फ संगठन की कमजोरी दिखाता है, बल्कि गठबंधन प्रबंधन पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है.

जेदयू के इन बड़े नेताओं ने रचा फिर से इतिहास

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे आ चुके हैं और मुंगेर जिले की तारापुर विधानसभा सीट ने पूरे चुनावी परिदृश्य में खास ध्यान खींचा. इस सीट पर भाजपा और जदयू गठबंधन के उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शानदार जीत दर्ज की है. शुरुआती राउंड से ही चौधरी ने मजबूत पकड़ दिखाई और हर राउंड में लगातार बढ़त बनाते गए. कुल 30 राउंड की गिनती के बाद चौधरी को 32,454 वोटों की निर्णायक बढ़त हासिल हुई, जिससे उनकी जीत लगभग तय हो गई. वहीं दूसरी ओर, बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी अपने क्षेत्र में रिकॉर्ड स्थापित किया. भाजपा के जारी मतगणना आंकड़ों के मुताबिक, सिन्हा ने भारी मतों से जीत दर्ज की और इस बार उनका प्रदर्शन बेहद धमाकेदार बताया जा रहा है. दोनों उपमुख्यमंत्री की जीत ने भाजपा और जदयू गठबंधन की स्थिति बिहार में और मजबूत कर दी है. विश्लेषकों का कहना है कि सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा की यह जीत सिर्फ व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह गठबंधन की लोकप्रियता और जनता की स्पष्ट पसंद को भी दर्शाती है.

जनता ने महागठबंधन के जंगलराज को किया नकार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड जनसमर्थन के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस अवसर पर बिहार की जनता का आभार व्यक्त किया और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों पर जनता के विश्वास के रूप में बताया. नड्डा ने कहा कि बिहार के लोगों ने महागठबंधन के जंगलराज और भ्रष्टाचार को पूर्णत- खारिज कर सुशासन, स्थिरता और विकास को स्वीकार किया है.

प्रशांत किशोर उम्मीदें की हुई धराशायी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जहां एक ओर एनडीए ऐतिहासिक प्रदर्शन कर रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जीएसपी) की चुनावी उम्मीदें पूरी तरह धराशायी होती दिखाई दे रही हैं. पिछले उपचुनावों में 10 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर चर्चा में आए प्रशांत किशोर से उम्मीद थी कि उनकी पार्टी कम से कम कुछ सीटों पर वोटकटवा की भूमिका तो निभाएगी, लेकिन शुरुआती रुझान बताते हैं कि जीएसपी न सिर्फ किसी सीट पर आगे नहीं चल रही.

जीते

सम्राट चौधरी

जीते

मंगल पांडेय

भाजपा नेता मंगल पांडेय की ने दर्ज की जीत

सीवान विधानसभा सीट पर चुनावी मुकाबला अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है. 20 राउंड की काउंटिंग पूरी होने के बाद भाजपा उम्मीदवार मंगल पांडेय ने अपनी जीत लगभग सुनिश्चित कर ली है. शुरुआती राउंड से ही पांडेय को जो बढ़त मिली थी, वह हर राउंड के साथ और मजबूत होती चली गई. मतदाताओं का भरोसा लगातार उनके पक्ष में बढ़ता रहा, जिससे यह मुकाबला एकतरफा होता गया. इसी बीच अलिनगर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मैथिली ठाकुर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. उन्होंने अपने प्रतिद्वंदियों को भारी अंतर से पछाड़ते हुए लगभग 19,018 वोटों की विशाल बढ़त के साथ जीत हासिल की है. उनकी इस जीत ने न सिर्फ क्षेत्र में भाजपा की लोकप्रियता को मजबूत किया है, बल्कि युवा नेतृत्व के प्रति जनता के विश्वास को भी साबित किया है. सीवान में मंगल पांडेय और की धमाकेदार जीत—दोनों ही नतीजे बिहार की राजनीतिक तस्वीर में भाजपा की मजबूत दस्तक को दर्शा रहे हैं. ये नतीजे पार्टी के लिए मिशन 2025 और आगे की रणनीति को नई ऊर्जा देने वाले साबित हो सकते हैं.

एआईएमआईएम के 5 सीटों पर जीत की वजह

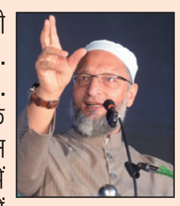

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में आरजेडी की उम्मीदें मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर केंद्रित थीं. आरजेडी के रवैये ने ओवैसी को नाराज कर दिया. उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनी भी दी थी कि आरजेडी की कार्रवाई उनकी हार का कारण बन सकती है. पिछली बार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम के पांच विधायक जीते थे, जिनमें से चार आरजेडी में शामिल हो गए थे. इस बार एआईएमआईएम ने अपना प्रदर्शन सुधारते हुए 25 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए, जिनमें अधिकतर सीमांचल की मुस्लिम बहुल सीटें हैं. 2025 के चुनाव में अब तक एआईएमआईएम के चार उम्मीदवार जीत चुके हैं और एक सीट पर पार्टी को बढ़त हासिल है. यह प्रदर्शन पिछले चुनाव (2020) से भी बेहतर है, जब एआईएमआईएम ने 14 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और उनमें से पांच सीटों (अमौर, बहादुरगंज, बायसी, जोकीहाट और कोचाधामन) पर जीत दर्ज की थी.सीमांचल में तेजस्वी यादव को भरोसा था कि इस वोट बैंक से उनकी जीत पक्की होगी.

एक नजर में

अफगानिस्तान में विस्फोट में तीन बच्चों की मौत

काबुल, 14 नवंबर. पश्चिमी अफगानिस्तान के बदगीस प्रांत में बम जैसी विस्फोटक सामग्री को तोड़ने का प्रयास कर रहे तीन बच्चों की मौत हो गयी है. प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता सेदिकुल्लाह सेदिकी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गुरूवार को बच्चों को एक मैदान में खिलौने जैसी आकृति वाला बम मिला और वे उसे खोलने का प्रयास करने लगे और इसी दौरान उसमें जोरदार विस्फोट होने से तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी. प्रवक्ता ने बताया कि इसी प्रांत में इस तरह की यह दूसरी घटना है. एक हफ्ते पहले भी ऐसी ही एक घटना में दो बच्चों की जान चली गयी थी. युद्धग्रस्त अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज़्यादा बारूदी सुरंगों से प्रभावित देशों में से एक है जहां पिछले चार दशकों से ज्यादा समय से चले आ रहे युद्ध में इधर उधर पड़े बारूद से अक्सर नागरिकों, खासकर बच्चों की जान चली जाती है या घायल हो जाते हैं.

ऑस्ट्रेलिया में हवाई अड्डों के लिए खसरे का अलर्ट

सिडनी, 14 नवंबर. ऑस्ट्रेलिया में न्यू साउथ वेल्स प्रांत के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मध्य सिडनी और शहर के हवाई अड्डे के लिए खसरे का अलर्ट जारी किया है. एनएसडब्ल्यू स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि उसे सूचित किया गया है कि पड़ोसी राज्य क्वींसलैंड से आया एक पुष्ट खसरे का मरीज आठ से 10 नवंबर के बीच संक्रामक अवस्था में सिडनी के कई स्थानों पर गया था जिसमें एक संगीत कार्यक्रम भी शामिल है जिसमें लगभग 70,000 लोग शामिल हुए थे. गत आठ से 10 नवंबर के बीच सिडनी हवाई अड्डे, केंद्रीय व्यावसायिक जिले, संगीत कार्यक्रम और शहर के भीतरी पश्चिमी क्षेत्र की ट्रेनों सहित जिन स्थानों पर गया था उन्हें 28 नवंबर तक खसरे के लक्षणों पर नजर रखने की सलाह दी गई है. हेल्थ प्रोटेक्शन एनएसडब्ल्यू के कार्यकारी निदेशक जेरेमी मैकनल्टी ने एक बयान में कहा कि खसरे के संपर्क में आने के बाद लक्षण दिखाई देने में 18 दिन तक का समय लग सकता है. उन्होंने सलाह दी कि किसी को बुखार, आंखों में दर्द और खांसी के बाद दाने जैसे लक्षण है तो वे पहले ही अपने डॉक्टर या अस्पताल को सूचित कर दें.

ईडी ने 14 स्थानों से 59 करोड़ जब्त किए

नई दिल्ली/मुंबई 14 नवंबर. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने शुक्रवार को लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व अधिकारी राजेंद्र नरपतमल लोढ़ा और अन्य के खिलाफ चल रही धन शोधन जांच के तहत मुंबई क्षेत्र में 14 स्थानों पर तलाश अभियान चलाया.

ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान नकदी, बैंक बैलेंस और सावधि जमा के रूप में 59 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त और फ्रीज की गई. कई अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और करोड़ों रुपये की

अचल संपत्ति का विवरण भी बरामद किया गया. ईडी ने मुंबई पुलिस की ओर से राजेंद्र लोढ़ा और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की. आरोपों में धोखाधड़ी, पद का दुरुपयोग, संपत्ति की अनधिकृत बिक्री और झूठे दस्तावेज़ तैयार करना शामिल है जिससे सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड को कथित तौर पर 100 करोड़ से अधिक का फायदा हुआ. ईडी की जांच से पता चला है कि राजेंद्र लोढ़ा लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड से धन और संपत्ति की हेराफेरी तथा गबन में शामिल थे. यह सब कंपनी के निदेशक मंडल की अनुमति के बिना कंपनी के स्वामित्व वाली अचल संपत्तियों को कम कीमत पर उनसे जुड़ी प्रॉक्सी संस्थाओं को अनधिकृत रूप से बेचकर और हस्तांतरित करके किया गया था. वह भूमि खरीद की कीमतों को बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) बनाने में भी शामिल था.

आज का इतिहास

1737 वेल्स के राजकुमार फ्रेडरिक इंग्लिश कोर्ट से भाग निकला।

1741 चार्ल्स अल्बर्ट ने ऊपरी ऑस्ट्रिया और बोहेमिया पर हमला किया।

1788 मैरीलैंड अमेरिकी संविधान की पुष्टि करने वाला सातवां राज्य बना।

1822 एडिनबर्ग में आखिरी सार्वजनिक फांसी दी

1848 फ्रांस ने अपने उपनिवेशों से आखिरी गुलामों को भी मुक्त किया।

रूस के नोवोरोसिस्क में यूक्रेन हमले के बाद आपातकाल घोषित

सोचि, 14 नवंबर. रूस के नोवोरोसिस्क शहर में यूक्रेन के रात भर किये गये हमलों के बाद आपातकाल घोषित कर दिया गया है. मेयर आंद्रेई क्रावचेंको ने यह जानकारी दी. क्रावचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, नोवोरोसिस्क पर यूक्रेन की ओर एक बड़ा ड्रोन हमला किया गया. आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गयी है. उन्होंने बताया कि नोवोरोसिस्क में ड्रोन हमले ने चेर्नोमोरट्रांसनेफ्ट के एक टैंक और घाट, एनयूटीईपी कंटेनर टर्मिनल और शेस्खारिस ट्रांसशिपमेंट कॉम्प्लेक्स में तेल डिपो को नुकसान पहुंचाया है.

योगी ने दी शुकदेवानन्द विवि को मंजूरी

लखनऊ, 14 नवम्बर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित शैक्षणिक इकाइयों को उच्चीकृत करते हुए स्वामी शुकदेवानन्द विश्व विद्यालय, शाहजहांपुर की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है.

इस निर्णय के साथ शाहजहांपुर को एक नया राज्य विश्वविद्यालय मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में उच्च शिक्षा का नया अध्याय आरंभ होगा. शुक्रवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लोकभवन में आयोजित मंत्रिमडल की बैठक की जानकारी देते हुए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च

शिक्षा को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 (अधिनियम संख्या-29, सन् 1974) में संशोधन करते हुए इस विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव पारित किया गया है. उन्होंने कहा है कि इस संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती ने ट्रस्ट की सभी चल-अचल परिसंपत्तियाँ नि:शुल्क राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी, जिससे विवि के गठन को ठोस आधार मिला है. योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना है. विवि की स्थापना से न केवल शाहजहांपुर, बल्कि आसपास के जिलों के छात्रों को उन्नत शैक्षिक वातावरण, अत्याधुनिक सुविधाएं, नवाचार आधारित पाठ्यक्रम और शोध संसाधन उपलब्ध होंगे.

नूंह के दो डॉक्टर हिरासत में अल-फलाह विवि की जांच

चंडीगढ़, 14 नवंबर. राष्ट्रीय राजधानी के लाल किले के पास हुए कार बम धमाके मामले में जांच एजेंसियों ने हरियाणा के नूंह जिले से दो डॉक्टरों को हिरासत में लिया है.

साथ ही अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन और प्रशासनिक रिकॉर्ड की विस्तृत पड़ताल भी शुरू कर दी गई है. जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक दोनों युवक हाल ही में यूनिवर्सिटी के मेडिकल विंग से जुड़े थे. उनके मोबाइल फोन से मिले कुछ डेटा में संदिग्ध बातचीत के संकेत मिलने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया. अधिकारियों ने बताया कि बरामद डिजिटल सामग्री की अभी तकनीकी जांच जारी है. पहचाने गए युवकों में से एक मुस्ताकिम, नूंह के सुन्हेड़ा गांव का रहने वाला है. वह चीन से एमबीबीएस कर भारत लौटा था और यहां इंटर्नशिप कर रहा था. परिजनों के अनुसार, वह नौ नवंबर को दिल्ली में नौकरी से जुड़ी परीक्षा देने गया था. अगले दिन देर रात एजेंसियों ने गांव पहुंचकर उसे पूछताछ के लिए साथ लिया.

जांच में कर रहे पूरी तरह से सहयोग

जांचकर्ता यह भी पड़ताल कर रहे हैं कि हिरासत में लिए गए दोनों डॉक्टरों का किसी अन्य संदिग्ध उमर नबी से कोई संपर्क था या नहीं, जो कथित तौर पर धमाके वाले दिन नूंह से दिल्ली आया था. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह जांच अभी शुरुआती स्तर पर है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक की कार्रवाई प्रक्रियात्मक है और अंतिम निष्कर्ष डिजिटल फॉरेंसिक, वित्तीय जांच और एजेंसियों की संयुक्त रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा. जरूरत पड़ने पर प्रवर्तन निदेशालय भी जांच से जुड़ सकता है. यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने कहा है कि वह जांच में पूरी तरह सहयोग कर रहा है.

बाल दिवस — नेहरू जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रद्धांजलि

नेहरू जी स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण व्यक्ति थे

नई दिल्ली, 14 नवंबर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 136वीं जयंती पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की.

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा- पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि। चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध नेहरू जी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे. स्वतंत्रता के बाद

उन्होंने देश की लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष नींव स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी. उनकी दृष्टि शिक्षा, वैज्ञानिक विकास और बच्चों के कल्याण पर केंद्रित थी.उनके जन्म दिन को देश भर में बाल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है.

राहुल, खरगे, सोनिया ने अर्पित की श्रद्धांजलि

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 136वीं जयंती पर शुक्रवार को उनकी समाधि शांति वन जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की. खरगे तथा श्रीमती गांधी ने सुबह यहां पंडित नेहरू की समाज शांति वन गए तथा देश के प्रथम प्रधानमंत्री को उनकी 136वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए. कांग्रेस आलाकमान के साथ पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल तथा अन्य कई वरिष्ठ नेताओं ने पंडित नेहरू को जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की. खरगे ने प्रथम प्रधानमंत्री को जयंती पर नमन करते हुए कहा कि देश की आज़ादी से लेकर एक मजबूत, आधुनिक और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव रखने में असाधारण योगदान देने वाले देश के जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर विनम्र नमन.

बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अगले सप्ताह दिल्ली आएंगे

नई दिल्ली. बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान अगले बुधवार को दो दिवसीय सम्मेलन के लिए भारत आएंगे. रहमान कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने आ रहे हैं, जो हिंद महासागर के पांच तटीय देशों का सम्मेलन है. भारत में ढाका के उच्चायुक्त मुहम्मद रियाज़ हमीदुल्लाह ने रहमान की भारत यात्रा की पुष्टि की. उच्चायुक्त ने कहा, बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 19 नवंबर को दिल्ली आएंगे. यह ज्ञात नहीं है कि भारतीय अधिकारी खलीलुर के साथ सुरक्षा मुद्दों पर कोई अनौपचारिक बातचीत करेंगे या नहीं.

जनता ने काम की राजनीति को सराहा

- तरन-तारन उपचुनाव में आप की ऐतिहासिक जीत
- अरविंद केजरीवाल ने सीएम भगवंत मान को दी बधाई

चंडीगढ़, 14 नवम्बर.नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तरन-तारन उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और जनता तथा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी.

केजरीवाल ने कहा कि यह जीत पंजाब की जनता और मेहनती कार्यकर्ताओं की जीत है. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय

संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने तरन-तारन उपचुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब की जनता के साथ-साथ सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी. केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा कि यह जीत केवल एक चुनावी सफलता नहीं, बल्कि मेहनत, ईमानदारी और जनता के विश्वास की जीत है.

केजरीवाल ने विशेष रूप से बताया कि उपचुनाव में मिली सफलता ने यह साबित कर दिया कि पंजाब की जनता काम की राजनीति और ईमानदार नेतृत्व को ही तरजीह देती है. उन्होंने कहा कि भगवंत मान जी का निडर और समर्पित नेतृत्व ही जनता के लिए प्रेरणा का स्रोत है. इस जीत के पीछे पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता से जुड़ने की प्रतिबद्धता का योगदान है. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को आभार व्यक्त किया और कहा कि जनता की सेवा करने का काम इसी तरह पूरे जोश और ईमानदारी के साथ जारी रखना चाहिए.